राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 286
शैतान
सुपरकमांडोध्रुव
अनुपम
Vinod

संजय गुप्ता पेश करते हैं

# शीतान

कथा: जॉली सिन्हा. | चित्र: अनुपम सिन्हा. | इंकिंग: विनोद कुमार. | सुलेख एवं रंग संयोजन: सुनील पाण्डेय. | सम्पादक: मनीष गुप्ता.

© RAJA POCKET BOOKS

✽ पेड़-पौधों के राजा वनपुत्र के बारे में विस्तार से जानने के लिए पढ़ें: डॉक्टर वायरस और हत्यारा कौन?

लेकिन हथियारों को गुंडों के हाथों से अलग नहीं कर पाया-
ओह! लेकिन ये हथियार मुझे नुकसान नहीं पहुंचा सकते!
आ आ आऽऽऽ
ह... हमको उतारो!
अगर हमको पता होता कि तू जादूगर है तो हम तुमसे कभी पंगा नहीं लेते।
लेकिन तभी-
ये... ये क्या है?
बर्फ! राजनगर में बर्फ गिर रही है! कैसे? राजनगर में तो ठंड तक नहीं पड़ती है!
जो हो रहा है, अच्छा ही हो रहा है!...
...क्योंकि ठंड से जड़ें मर रही हैं! और हम आजाद हो रहे हैं...

अब हम जंगली को आराम से मार सकते हैं!
पौधों, बढ़ो! बढ़ो!
पौधे मूर्च्छित अवस्था में थे-
और वनपुत्र की मौत से बचाने वाला कोई नहीं था-
सिवाय उस बर्फीले फरिश्ते के-
पहले बर्फ! और अब बर्फीला फरिश्ता!
फरिश्ता नहीं, वनपुत्र, मैं ध्रुव हूं! स्टारलाइन से झूलकर यहां आते-आते मेरा यह हाल हो गया!
लेकिन तुम यहां तक आए कैसे?
तुम पर पहली गोली चलते ही एक चिड़िया मुझे तुम्हारा पता बता गई थी! लेकिन मुझे बर्फ गिरने का आभास नहीं था!

पहले मैं मोटरसाइकल से आ रहा था। लेकिन सभी रास्ते बर्फ से ढके हुए हैं। न जाने ये बर्फ कहां से आ रही है? खैर, तुम ये बताओ कि तुम राजनगर में क्या करने आए हो?
तुमसे ही मिलने आया था, ध्रुव।
मुझसे? ऐसा क्या काम आन पड़ा?
इनकी वजह से मुझे तुम्हारे पास आना पड़ा ध्रुव। ये जंगल में इस बैग को जमीन में दबा रहे थे। मुझको देखते ही मुझ पर गोलियां चलाने की कोशिश की। पर मैंने पहले ही इनको पेड़ों के शिकंजे से जकड़ दिया।
बैग को खोलकर देखा तो इसमें ये सिलेंडर भरे हुए थे। सोना, रत्न वगैरह होते तो मैं उनको पुलिस के हवाले कर देता। पर इस बारे में मैंने तुम्हारी राय लेना उचित समझा। कहीं ये किसी बड़े षड्यंत्र का कोई हिस्सा तो नहीं है!
ये तो यही गुंडे बता सकते हैं। बताओ, क्या है इन सिलेंडरों में? किस काम में आते हैं यह सिलेंडर?
हमको नहीं पता! हम तो बस पैसे लेकर काम करते हैं। ये सिलेंडर हमने महानगर की एक केमिकल फैक्ट्री से चोरी किए थे। एक पन्द्रह फुट लंबे और तलवार जैसी दांतों वाले बाघ ने फैक्ट्री पर हमला किया।
नागराज ने घटना-स्थल पर आकर बाघ को तो मार डाला! पर मौके का फायदा उठाकर हम सिलेंडर ले उड़े।
यह सारा प्लान उसी शख्स ने हमको बताया था, जिसने हमको यह कांट्रेक्ट दिया था।
उसको ये सिलेंडर हमें दो दिनों बाद सौंपने थे। इसलिए हम इनको जंगल में दबा रहे थे।
क्या तुम भी जमीन को कांपता हुआ सा महसूस कर रहे हो, वनपुत्र?
हां, ध्रुव! जमीन में कंपन हो रहे हैं।
वैसे ही जैसे जंगल में हाथियों के झुंड के चलने पर होते हैं।

हे वनदेव! तो ये है
जमीन को कंपाने वाला!
ऐसा जीव तो मैंने पहले कभी देखा ही नहीं है!
देखते कैसे, वनपुत्र? ये 'मैमोथ' है! हाथी का पूर्वज! जो 'शीत युग' के दौरान पृथ्वी पर रहता था!
और इसकी प्रजाति को लुप्त हुए हजारों वर्ष बीत चुके हैं! फिर ये कहां से जिन्दा होकर आ गया?

इसके जिन्दा होने की फिक्र करने से पहले अपने जिन्दा रहने की चिन्ता करो, ध्रुव!
वर्ना इसका पेड़ के तने जैसा मोटा पैर हमारा कचूमर निकाल देगा!
यह संयोग है या कुछ और है? पहले महानगर में एक अजीबोगरीब बाघ देखा गया। और फिर राजनगर में ये विलुप्त मैमोथ!
मैं शर्त लगाकर कह सकता हूं कि वह बाघ भी किसी विलुप्त प्रजाति का ही प्राणी रहा होगा!...
हो सकता है कि यह संयोग ही हो, ध्रुव!
बाघ और मैमोथ का देखा जाना तो संयोग हो सकता है! लेकिन शीत युग के प्राणी मैमोथ का आना और राजनगर में पहली बार बर्फ का गिरना संयोग नहीं हो सकता!
ये कोई जानबूझकर कर रहा है! और मेरा ख्याल है कि वह इस घटनाक्रम पर नजर भी रख रहा होगा...
... उसको सामने लाने का एक ही तरीका है कि उसके काम में बाधा डाल दी जाए...
... यानी मैमोथ को रोक दिया जाए!
यह काम मेरी पतली-दुबली स्टार लाइन शायद न कर पाए...
...लेकिन मैमोथ द्वारा तोड़ा गया बिजली का यह तार जरूर कर सकता है!
ओ गुड! बर्फ से सड़कें ढकी होने के कारण पुलिस की गाड़ियां तो नहीं आ पाईं, लेकिन पुलिस हैलीकॉप्टर जरूर आ गया है! ये मैमोथ को आराम से उठाकर चिड़ियाघर में छोड़ सकता है!

हैलीकॉप्टर से एक जाल, मैमोथ पर आ गिरा-
अब ये हिल भी नहीं सकेगा! और हम इसको उठाकर सुरक्षित स्थान पर छोड़ आएंगे!
लेकिन मैमोथ ने न सिर्फ बिजली के खंभे को उखाड़ डाला-
बल्कि उसको हवा में उछाल भी दिया।
और खंभा हैलीकॉप्टर के पंखों में जा घुसा-
हे भगवान! ये तो बहुत शक्तिशाली है! शुक्र है हैलीकॉप्टर के सवार नर्म बर्फ में गिरने के कारण बच गए!

हैलीकॉप्टर की आग ने जाल के तारों को भी जलाकर इतना कमजोर कर दिया है कि मैमोथ उसे तोड़ सके।
लेकिन अब ये आ कहां रहा है?
ये फैक्ट्री एरिया में आ गया है।
इसकी चाल से ऐसा लग रहा है कि इसको पता है कि इसे जाना कहां है!
आओ वनपुत्र।
हम इसका पीछा करके इसको रोकने की कोशिश करेंगे!
ये तो एक के बाद एक फैक्ट्रियों को तोड़ता ही जा रहा है। इसको रोकना होगा!
FACTO
मैं कोशिश करता हूं ध्रुव। अभी शीत से सारे पेड़-पौधे मूर्छित नहीं हुए हैं। कुछ अभी भी मेरा आदेश मान सकते हैं।
लेकिन-
मैमोथ में बहुत शक्ति है, ध्रुव! अधमरे पौधे भी इसको रोक नहीं पाएंगे!
ये अपने आप उस फैक्ट्री के अंदर जाकर रुक गया है।
इसको पकड़ने का यही एक मौका है।

तुम्हें ठंड नहीं लगती, लेकिन मुझे देखकर लोगों के हाथ-पैर जरूर ठंडे पड़ जाते हैं.
नये-नये लोग हैं ये, मशीन और हड्डी की बर्फ का शरीर है इसका. यानी षड्यंत्रकारी को पता था कि इस बार मामूली गुंडों से काम नहीं चलेगा. इसलिए उसने इसको भेजा है.
कोई फर्क नहीं पड़ता है, ध्रुव. ये मानव हों, और दानव हों. किसी न किसी तरह से इनसे निपट ही लेंगे.
ठीक है...

ऐसा नहीं होना चाहिए,
अब इसके सिर और मैमोथ के भारी
कुछ ही फुट का

से जूझ रहा था-

ध्रुव, मैमोथ के सिर तक पहुँच गया! लेकिन 'अंकुश' घुसाने से पहले ही-
उसका शरीर जमीन से आ टकराया-
आऽऽऽह!
अब कैसे रोकूं इस दैत्य को! स्टारब्लेड्स से बचने के लिए अब इसने अपने पैरों में 'बर्फ के जूते' पहन लिए हैं!
वनपुत्र मौत को दूर धकेलने की कोशिश कर रहा था-
आऽऽऽह! आखिरकार मेरा पैर खुद टूटने से पहले फर्श को तोड़कर मिट्टी तक पहुंच गया है। मैंने अपनी मुट्ठी में अपने पास रखे बीजों को पहले ही जकड़ रखा था।
अब मैं इन बीजों को मिट्टी में डाल दूंगा, और वातावरण की ठंड का असर दूर करने के लिए अपने पैर की गर्मी दूंगा इनको!
वनपुत्र का आदेश पाकर पौधे तेजी से बढ़े, और वनपुत्र के शरीर पर चढ़ा बर्फ का खोल टूट गया-

और स्नोरोबो के बढ़ते कदम भी थम गए-
अरे! यह... यह क्या हो रहा है?
जड़ें मेरे बर्फीले शरीर को छेदती हुई अन्दर घुस रही हैं!
ध्रुव ने भी 'मैमोथ समस्या' का हल ढूंढ़ लिया था-
मैमोथ की शक्ति, दाँत के कारण है! लेकिन वास्तव में ये गर्म खून वाला प्राणी है! और इसके शरीर के बाल इसकी ठंड से रक्षा करते हैं। अगर ये बाल नहीं हों तो मैमोथ पर भी ठंड का असर होगा, और तब इस पर काबू पाना आसान होगा...
स्नोरोबो के कुछ कर पाने से पहले ही-
वह टुकड़ों में बंट चुका था-
हा हा हा, मुझे रोकने चला था।
...लेकिन इसके बालों को हटाया कैसे जाए?
इसको सैलून में ले जाने के लिए मनाना तो जरा मुश्किल है!

कुछ ही देर में टैलेन्ट के शरीर और ठंड के बीच में कोई रोक नहीं थी-

मैंने थ के पैरों के निशान देखे,
करते- करते ही मैं यहां
कर रहे थे ?

ध्रुव, षड्यंत्रकारियों तक पहुंचने वाला था
और षड्यंत्रकारी उस तक-
तुम्हारे पास वायरलेस है?
है... हैं प... पर क्यों?
पूरे शहर में खबर कर दो कि शैतानों को सिलेंडर दे दें.
वर्ना इस शहर का हाल ऐसा होगा।
जमीन तो गुब्बारे की तरह फूल रही है।
उड़ जाएगा पूरा शहर इस पैट्रोल पंप की तरह।

अपने आपको हमारे हवाले कर दो.
पैट्रोल पर लूट करने के जुर्म में!

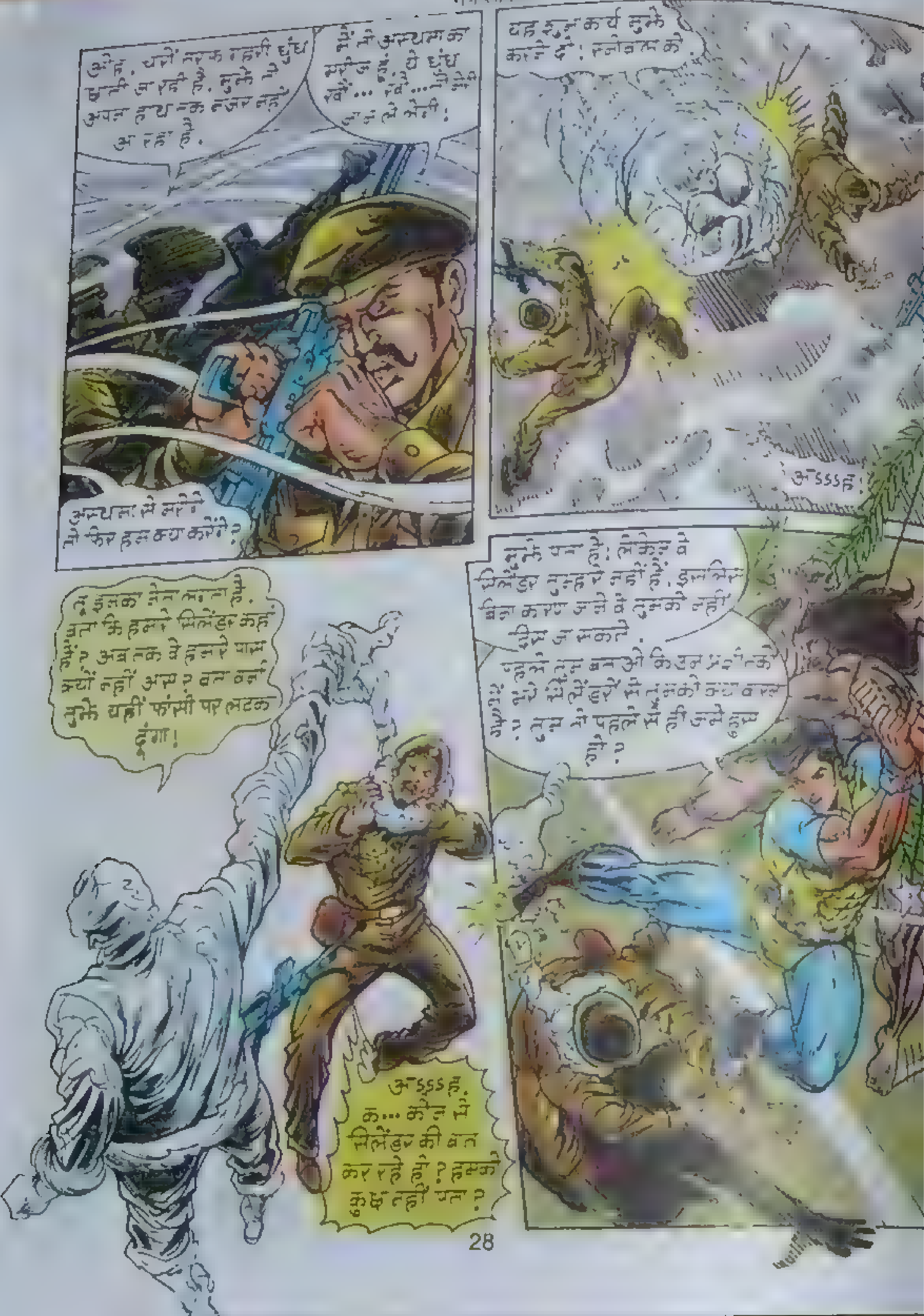
ओह, यहाँ तक गहरी धुंध छाती जा रही है. मुझे तो अपना हाथ तक नजर नहीं आ रहा है.
मैं तो अस्थमा का मरीज हूं, ये धुंध खौं... खौं... मेरी जान ले लेगी!
अस्थमा से मरोगे तो फिर हम क्या करेंगे?
यह शुभ कार्य मुझे करने दें! स्नोमैन को
अऽऽऽह!
तू इसका नेता लगता है. बता कि हमारे सिलेंडर कहाँ हैं? अब तक वे हमारे पास क्यों नहीं आए? वरना तुझे यहीं फांसी पर लटका दूंगा!
अऽऽऽह. क... कौन से सिलेंडर की बात कर रहे हो? हमको कुछ नहीं पता?
मुझे पता है! लेकिन वे सिलेंडर तुम्हारे नहीं हैं. इसलिए बिना कारण जाने वे तुमको नहीं दिए जा सकते.
पहले तुम बताओ कि इन मशीनों में भरे सिलेंडरों से तुमको क्या करना है? तुम तो पहले से ही जमे हुए हो?

किया है!
तुम्हारे पास इस वक्त हमारे मतलब की दो चीजें हैं
उससे पहले तुमको
खत्म कर दो इस जंगली को भी!

ये... गिर तो गया है; अब मुझे इसको कुछ पलों के लिए दबाए रखना होगा; ताकि...
लेकिन-
तू ताकतवर जरूर है, लेकिन मुझे दबाए रखने में सफल नहीं होगा; देख, वैन के मशीनी पुर्जे मेरे शरीर में घुस गए हैं। बगैर मुझे दर्द पहुंचाए! तेरी ये बचकानी चाल तुझे बचा नहीं पाएगी!
यही तो मुझको करना है!
अब एक तो इन पुर्जों का वजन एस्कीमों की फुर्ती को कम कर देगा, और जहां-जहां पर पुर्जे घुसे हुए हैं, वहां-वहां की बर्फ पुर्जों में समाई गर्मी के कारण कमजोर हो जाएगी!
इतनी कमजोर कि मैं उसको तोड़ सकूं;
और आजाद होकर लम्बी सांस ले सकूं!
हाssss

कहानी 35 पेज से

शरीर में 'प्राणवायु' का फिर से संचार होते ही, ध्रुव की शक्ति और स्फूर्ति भी तुरन्त वापस आ गई-
और ध्रुव के उस भीषण वार ने, धातु के पुर्जों के कारण पहले ही कमजोर पड़ चुके बर्फीले जोड़ों को अलग-अलग कर दिया-
ओफ! मैं फिर से जुड़ सकता हूं लेकिन धातु के ये भारी टुकड़े मेरे अंगों को ठीक से जुड़ने नहीं देंगे:...
...आऽऽऽह!
वनपुत्र पर फिर से दोहरा हमला शुरू हो गया था-
मैं ठंडी 'स्नो' से इसके अंगों को सुन्न कर दूंगी, फिर तुम इसको आराम से कुचल सकोगे, आइसबल
धन्यवाद, स्नोगर्ल!
लेकिन आइसबल को रास्ता बदलना पड़ा-
ओफ, अब ये कहां से आ गया?
इससे मैं निपट लूंगी आइसबल!
तुम जंगली को कुचलने का प्रयास जारी रखो!

लेकिन आंख अकेली ऐसी 'इंद्रिय' नहीं है जो किसी को ढूंढ़ सके! ढूंढ़ने का काम नाक जैसी अन्य इंद्रिय भी कर सकती है.
वनपुत्र!

जरूर करूँगी। क्योंकि मैं वह गलती नहीं करूँगी जो तुम दोनों ने की है. ग्रीनरज के अंदेशे को भूलकर तुम सिर्फ दो दानवों से लड़ते रह गए. जबकि हमले पूरे शहर पर आफत ढहा रहे थे!... अब मैं अपने दानवों के शरीर को रुई से भी हल्का करके उड़ेगी. और आकाश से आफत टूटेगी इस शहर पर.
ये क्या करने जा रही है, ध्रुव?
जल्दी ही पता चल जाएगा बच्चू. इस पर नज़र रखे रहो.
आकाश में कैसे बादल सफ़ेद रुई के टुकड़े जैसे क्यों चमकने लगे हैं?
इनका आकार भी बढ़ रहा है.
आकार नहीं बढ़ रहा है. ये बादल ज़मीन की ओर चल आ रहे हैं! ये गिर रहे हैं ज़मीन पर.
पर कैसे?
क्योंकि मैंने अपनी 'मनोशक्ति' से इनको ठोस बर्फ़ का बना दिया है.
और अब ये उल्का के टुकड़ों की तरह, राजनगर से टकराएँगे और पूरे शहर को सपाट ज़मीन में बदल देंगे.

ध्रुव! लेकिन उसके लिए तुम्हें बहुत ध्यान ... पड़ेगा!
... राजनगर की एक भी बिल्डिंग!
वनपुत्र! अपनी सारी शक्ति लगाओ! एक विशालकाय वृक्ष का निर्माण करो.
... बादलों को हवा में ही रोक लेंगे!
वनपुत्र गहन ध्यान में लीन हो गया, और जमीन को फोड़कर निकली बेशुमार जड़ें आपस में गुंथकर एक 'महावृक्ष' का निर्माण करने लगीं.
ये सफल नहीं होगा! मैं तोड़ूंगा इसका ध्यान.
और कोई नहीं!

लेकिन फिर
डॉक्टर वर्मीस उर्फ
ध्रुव ने स्नोगर्ल को

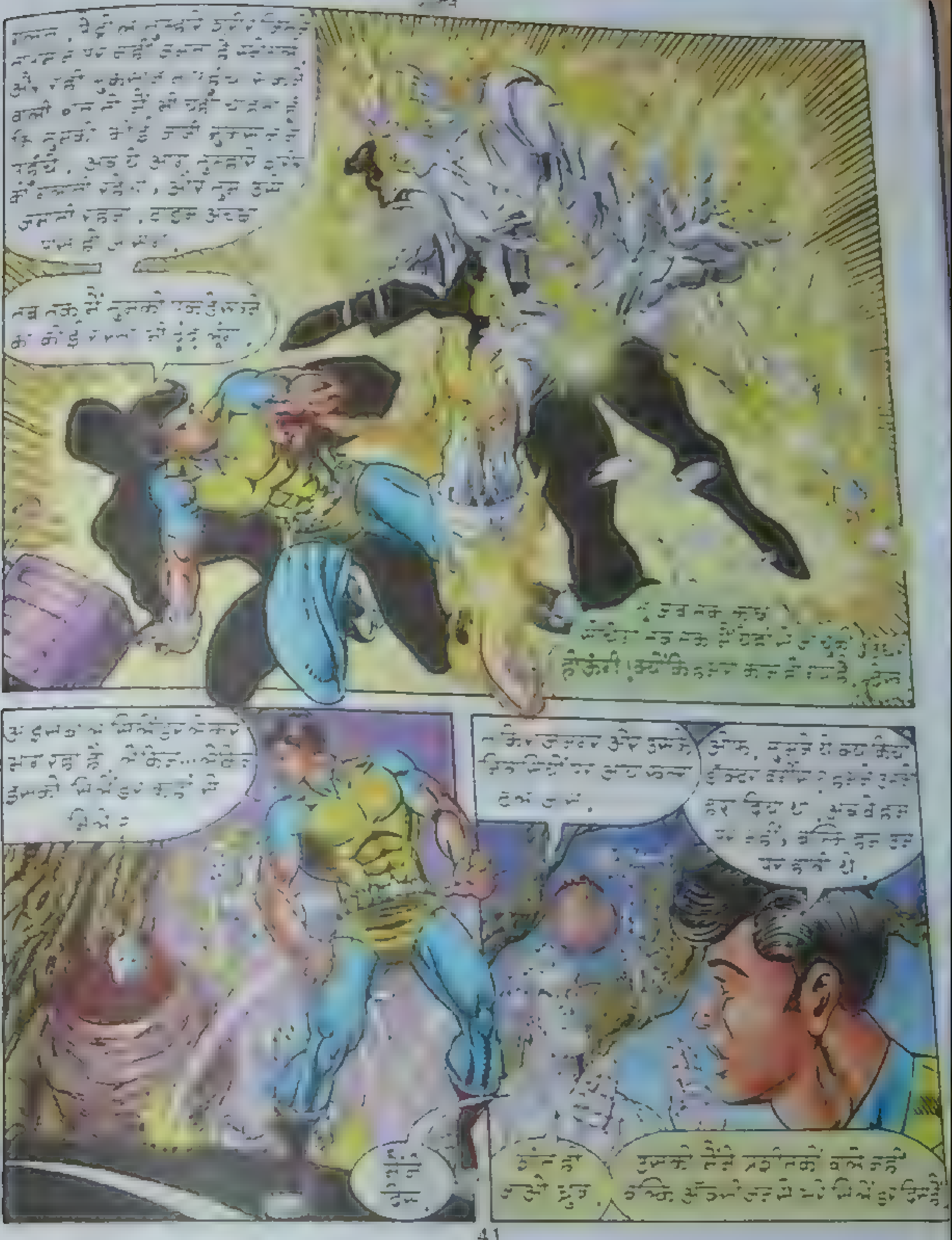

यह तुमको कैसे पता चला?
ठीक है! हम तीनों जाएंगे. शैतान है कौन, और उसका मकसद क्या है, यह हमको पता करना ही होगा!
मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगा ध्रुव! यह सब मुझसे शुरू हुआ है. अब इसको खत्म भी मैं ही करूंगा!
तो फिर चलो दक्षिणी ध्रुव.

VERGIN LABS
बनाया है। इनको शरीर से

...आऽऽऽह, मेरा हाथ.
आऽऽऽह.

असंभव है!
आऽऽऽह!
आज मैं वह करूंगा जो मैंने सिर्फ एक बार परीक्षण के तौर पर किया था! वनपुत्र आज वृक्षों के साथ एकाकार होगा! खुद बनेगा वृक्ष. और उसके लिए न मिट्टी की जरूरत है, और न ही पानी की.
ये तो असंभव है वनपुत्र, भला तुम कैसे कर सकते हो?

दो पहाड़ आपस में
टकरा रहे थे-

एटम बम जितनी विनाशकारी हो सकती है.
बहुत खेल हो गया.

वज्रकाय के हमले से एक
ने फायदा हुआ है ध्रुव!
अ555ह.
पकड़ लो इन दोनों को.
ठीक है, हम
पर तुम हो
कौन?
मैं हूं शीतराज. वह
कर्ने की चाल
थी यह.
डॉक्टर वर्गीस! तुम... तुम ही
चमत्कार है?

मानव बनने के मेरे प्रयोग फेल हो गए तो
मेरा साथ छोड़ दिया! घृणा हो गई मानवों से
मुझे ; और उनसे दूर रहने के लिए मैं
में जहाँ पर कोई वैज्ञानिक आता नहीं
उनको चुराने के लिए मानवों
का ध्यान बंटाना आवश्यक
पशु मिल गए!
विज्ञान की मदद से उनको
मैमोथ की पिटाई होते
देखकर मैंने प्लान को बदल
दिया, और तुमको झांसा
देकर अपने साथ अंटार्टिका
ले आया.

जब अन्दर देखा
तीनों के शरीर अकड़ चुके थे-
भयंकर शीत उनको
आ रहा था-

जल्दी ही शीतराज को भी इस
तब तो मानवों को
कोई बचाने वाला है
लेकिन उस सन्नाटे को तोड़ने वाले-
वर्ना हम शीतकक्ष के फर्श के
नीचे मौजूद समुद्री पानी के
रास्ते यहां तक कभी न

शीतानों के लैब की तरफ बढ़ते कदम यकायक थम गए-
वनपुत्र!
तू...तू जिन्दा कैसे है? और यहां कैसे आ गया?
मौत कहीं भी, किसी भी रूप में आ सकती है!
और मैं तुम्हारी मौत हूं!... आज बर्फ की गर्द में मिल जाओगे तुम सब शीतानो!
वनपुत्र ने काफी शीतानों का रास्ता रोक लिया था-
लेकिन सबका नहीं-
ये तादाद में बहुत ज्यादा हैं ध्रुव! अन्दर भी घुसते आ रहे हैं!
तुम्हारा काम हो गया है या नहीं?
हो गया है! लेकिन कोई फायदा नहीं होगा,
क्योंकि इस जीवाणु को इनके शरीर में इंजेक्शन द्वारा पहुंचाना होगा!...

और हर शैतान को इस जीवाणु का इंजेक्शन लगा पाना असंभव है! ये जीवाणु संक्रामक भी तो नहीं हैं कि एक शैतान के शरीर में पहुंचकर वहां से दूसरे शैतानों के शरीरों में फैल सकें!
फिर भी हमें इसको बचाना होगा, डॉक्टर वर्नीस!...
...क्योंकि ये हमारी एकमात्र उम्मीद हैSSS
ध्रुव भी शैतानों से बच नहीं पाया-
अगर ये जीवाणु हमारे पास नहीं रहे तो इनके हाथ में भी नहीं रहने चाहिए!
पहले कांच टूटा, और फिर 'जीवाणु-मिश्रण' से भरा बीकर-
नर्म बर्फ की सतह के नीचे न जाने कहां पर गुम हो गया-
अब दुनिया को बचाने का तरीका भी खो चुका था और मानवों के आजाद रह सकने की आस भी-
तीनों शैतानों के चंगुल में आ चुके थे-
अब हम अपनी गलती को नहीं दोहराएंगे! अपनी आंखों के सामने मारकर आएंगे तुम तीनों को!
तुम तीनों शैतानों के हाथों मरने वाले पहले मानव होगे!

हा हा हा ! क्वैं-क्वैं ! हा हा हा हा ! क्वौं-क्वौंक ! क्वौं !
ध्रुव की हंसी के पीछे एक गुप्त सिग्नल छिपा हुआ था ! और इस गुप्त सिग्नल द्वारा सहायता की पुकार करते ही–
ये... ये हंस क्यों रहा है ? मुझे तो लग रहा है कि ये ठंड और डर से पागल हो गया है !
सैकड़ों पेंगुइन, शैतानों पर टूट पड़ीं–
कांटे जैसी तेज चोंचे हर शैतान के शरीर में छेद करने लगीं–

तू... तू पेंगुइनों से बात कर लेता है। लेकिन इनकी मदद से कुछ नहीं होगा। ये तीन फुटी चिड़िया तो हमारा भोजन हैं। ये भला हमारा क्या... बिगाड़... आऽऽऽह! आऽऽऽह!
वह इसलिए क्योंकि तुम बीमार हो रहे हो, शीतानों के राजा शीतराज!
मुझे... मुझे क्या हो रहा है? आंखों के आगे... अंधेरा क्यों छा रहा है?
और तुम्हारे साथ-साथ सभी शीतान बीमार हो रहे हैं। क्योंकि इन सबके शरीरों में चोंच धंसाने वाली पेंगुइनों की चोंचे, 'जीवाणु मिश्रण' में भीगी हुई हैं।
मेरा संदेश पाकर पेंगुइनों ने पहले उस बीकर को ढूंढ निकाला और फिर उसमें चोंचे डुबोकर यहां पर आ गईं।
बर्फमानव के अनुसार ये 'मिश्रण' इंजेक्शनों द्वारा तुम सबके शरीरों में पहुंचना चाहिए था। और पेंगुइनों ने चोंच से इंजेक्शन का काम ले लिया।
तू... तूने हमारी योजना चौपट कर दी। हमको फिर से उसी हालत में पहुंचा दिया, जहां से हम स्वस्थ हुए थे। लेकिन हम तुम्हारे हाथ में नहीं आएंगे। बर्फ में मिलकर छुप जाएंगे हम। सही समय का इंतजार करेंगे और फिर मानवों को गुलाम बनाएंगे।
और थोड़ी देर बाद-
शीतानों का आतंक समाप्त हो चुका है ध्रुव! सारे शीतान बर्फ में मिलकर गायब हो चुके हैं। धरती वाले कभी जान नहीं पाएंगे कि उन पर कितना बड़ा खतरा मंडरा रहा था। अब मैं भी अपने सामान्य रूप में आ जाता हूं।
मुझे भी पुलिस के सामने अपने गुनाहों का इकरार करना है, ध्रुव। पर पता नहीं कि वे शीतानों की कहानी पर यकीन करेंगे या नहीं।
करें या न करें, पर तुम उन प्रशीतकों के सिलेंडरों को साथ ले चलना मत भूलना।
और न मैं अपनी ड्रेस को ले जाना भूलूंगा।



समाप्त